आत्मिक वाणी

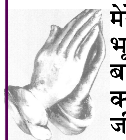

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

उत्तराखंड को हार्टिकल्चर का हब ..8

वर्ष : 14 अंक : 280 | देहरादून, शनिवार 07 जून 2025 | शुल्क : पचास पैसे | पृष्ठ संख्या : 08

किसान से बड़ा वैज्ञानिक कोई और नहीं : शिवराज सिंह चौहान

देहरादून में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के कार्यक्रम में प्रदेश के किसानों को केन्द्रीय मंत्री चौहान ने किया संबोधित

उत्तराखंड में वैज्ञानिकों की 75 टीमें किसानों से गाँव गाँव जाकर कर रही

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। देहरादून के कौलागढ़ में स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में शुक्रवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। केन्द्रीय कृषि मंत्री, विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से देश भर के किसानों के साथ संवाद कर रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को चौहान ने उत्तराखंड के किसानों को देहरादून में संबोधित किया।

हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर से आये किसानों को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि उत्तराखंड देव भूमि है और इसके प्रताप से इसकी ओर सब खींचे चले आते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री की असली भूमिका जमीनी स्तर पर उतरकर खेतों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करके कृषि की

उन्नति के लिए कार्य करना है। शिवराज ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के लिए असली प्रयोगशाला खेत ही है, इसलिए हमने 'लैब टू लैंड' जोड़ने और 16 हजार वैज्ञानिकों की टीमों के साथ गांव-गांव जाकर 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' शुरू करने की परिकल्पना की।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिकों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार के कृषि विभाग का अमला, प्रगतिशील किसान सबकों साथ लेकर इस महाभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 2,170 वैज्ञानिकों की टीमें देशभर में हर क्षेत्र की विशेषता, जलवायु विभिन्नता, मिट्टी की उर्वरक क्षमता हर बारीक जानकारियों पर पूर्व अनुमान के साथ गांव में जाकर किसानों से संवाद कर रही हैं। उत्तराखंड में भी वैज्ञानिकों की 75 टीमें किसानों से सीधे संवाद कर रही हैं। शोध की जानकारी देकर और उसी के आधार पर आगे की कृषि दिशा तय की जा रही है। किसान से बड़ा वैज्ञानिक कोई और नहीं है। इसलिए इस अभियान के तहत दो तरफा संवाद किया जा रहा

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

सीएम धामी ने नैनीताल में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, डीएसए मैदान में कई अहम घोषणाएं की

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को नैनीताल पहुँचे। प्रवास के पहले दिन उन्होंने मल्लीताल में मानसखण्ड मंदिर माला योजना के तहत 1101 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस योजना के अंतर्गत 12 नई दुकानों का विकास किया जा रहा है, जिनका उद्घाटन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की –

धुनीघाट एवं रातीघाट पैदल मार्ग के सुधार का कार्य किया जाएगा।

शहीद संजय बिष्ट मोटर मार्ग (कैंची-हरतपा-हैलीमोटर मार्ग से तितोली तक) का उच्चीकरण एवं सुधार होगा।

राज्य मार्ग संख्या-71 (रामनगर-भंडारपानी-अमगड़ी-भौराकोट-बेतालघाट-भुजान रिची-बिल्लेख) के खंडों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

डीएसए मैदान को राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण के लिए मॉडल स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

नैनीताल में वैकल्पिक पार्किंग का निर्माण किया जाएगा।

फ्लैट्स मैदान में हॉकी टर्फ और बॉक्सिंग रिंग बनाई जाएंगी।

फ्लैट्स मैदान का उपयोग केवल खेल और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए किया जाएगा, अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक रहेगी।

नैनीताल बस अड्डा परिसर का पुनर्विकास लाइटवेट स्ट्रक्चर के माध्यम से किया जाएगा ताकि सार्वजनिक परिवहन सुविधा बढ़े और ट्रैफिक जाम कम हो।

मुख्य स्थलों का रोड सेफ्टी सर्वेक्षण कर वॉटर लेक्स कम किए जाएंगे।

स्थानीय वेंडरों के लिए वेंडिंग ज़ोन का निर्माण किया जाएगा।

शौर्य महोत्सव में बोले सीएम धामी शहीदों का सम्मान हमारा कर्तव्य

शहीद भवानी दत्त जोशी की स्मृति में आयोजित मेले को राजकीय मेले के रूप में मनाया जाएगा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को थराली के चेपड़ों गांव में अशोक चक्र विजेता शहीद भवानी दत्त जोशी की स्मृति में आयोजित शौर्य महोत्सव में प्रतिभाग किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि शहीद भवानी दत्त जोशी की स्मृति में आयोजित शौर्य मेले को राजकीय मेले के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने शहीद भवानी दत्त जोशी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि हमें उनके सम्मान में आयोजित मेले में शामिल होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेना का मनोबल लगातार ऊंचा हुआ है। उन्होंने हाल ही में आतंकवादियों के खिलाफ चले

ऑपरेशन 'सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि अब जो भी गोली आतंकियों की तरफ से चलेगी, उसका जवाब गोलों से दिया जाएगा। थराली विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल गिरने की घटना पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घोर लापरवाही है। इसके लिए तीन इंजीनियरों को तत्काल सस्पेंड किया गया है । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शहीद सतीश चंद्र के पिता महेशानंद, शहीद कृपा सिंह की पत्नी विमला देवी, शहीद हिम्मत सिंह के भाई अभय सिंह नेगी और श्रीमती सरोजनी कोटड़ी को सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि प्रदेश में सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, नीतियों में भी बदलाव हो रहे हैं। फिर चाहे वह समान नागरिक संहिता (UCC) हो, नकल विरोधी कानून हो या महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रयास। इस अवसर पर राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल, हरक सिंह नेगी, मेला अध्यक्ष बीरू जोशी, ले. कर्नल हरीश जोशी, विधायक भूपाल राम टमटा, जिलाधिकारी संदीप तिवारी, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम पंकज भट्ट सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

डिजिटल

डिजिटल दुनिया में बच्चे-बड़े सभी इंटरनेट का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, बड़े इंटरनेट की अच्छाई और बुराई से वाकिफ होते हैं, लेकिन बच्चे इससे अनजान होते हैं। उन्हें पता नहीं होता है कि कैसे सर्फिंग करनी चाहिए? इंटरनेट यूज करते समय किन बातों का ख्याल रखना जरूरी है? ऐसे में जब आप अपने बच्चे को मोबाइल अथवा गैजेट्स दें तो उन्हें इन नियमों का पालन करने की जरूर सलाह दें- निश्चित समय तक सर्फ करें आप अपने बच्चे को यह सलाह दें कि रोजाना एक नियमित समय पर इंटरनेट का यूज करें। जब समय समाप्त हो जाए तो मोबाइल अथवा गैजेट्स रख दें। कई ऐसे ऐप्स हैं, जिन पर बच्चे घंटों लगे रहते हैं। इनमें गेमिंग ऐप्स और ब्यूटी ऐप्स प्रमुख हैं। इन ऐप्स पर चरणबद्ध टास्क होते हैं, जिन्हें पूरा करने में घंटों लगते हैं। यह इतना दिलचस्प होता है कि बच्चे इससे दूर नहीं रह पाते हैं। आप अपने बच्चे को सोशल प्लेटफार्म पर प्रोफाइल बनाने से रोक नहीं सकते हैं। इसके लिए आप उन्हें एक शर्त पर सपोर्ट करें कि वह अपनी प्राइवेसी आपसे जरूर शेयर करे। अपने बच्चे की सोशल एक्टिविटी पर पैनी नजर रखें। वह किससे और क्या बात करता है? उसके फ्रेंड लिस्ट में कौन-कौन है? सायबर हैकर्स से भी बचने की सलाह दें। निजी जानकारी शेयर करने से मना करें अपने बच्चे को सिखाएं कि वह निजी जानकारी किसी से साझा न करें। अपने घर का पता, स्कूल नाम, कहां रहते हैं, अदि चीजों के बारे में किसी को कुछ न बताएं। किसी अजनबी से दोस्ती करते वक्त उसके बारे में अच्छे से जान लें। उसके पोस्ट और फ्रेंड्स लिस्ट चेक कर ही उससे दोस्ती करने की सलाह दें। अपने बच्चे को इंटरनेट के नुकसान के बारे में भी बताएं। उन्हें यह बताएं कि अगर वह अपने किसी दोस्त से अपने प्रोफाइल की आईडी और पासवर्ड शेयर करता है तो उसके क्या नुकसान हो सकते हैं?

भगदड़ में सतर्कता और समझदारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा

सुनील कुमार महला

हाल ही में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हो गए, यह बहुत ही दुखद और हृदयविदारक घटना है। वास्तव में भगदड़ की घटनाएं तब घटित होतीं हैं जब भीड़ अपना नियंत्रण खो देती है। बहुत बार अफवाहों के फैलने , खौफ,डर या घबराहट और सीमित जगह के कारण भी भगदड़ की घटनाएं घटित हो जातीं हैं। खराब भीड़ प्रबंधन, जैसे कि पर्याप्त सुरक्षाकर्मी या निकास के लिए स्पष्ट मार्ग न होना, भी भगदड़ का कारण बन सकता है? बेंगलुरु में जो घटना घटित हुई है, उसमें एक लाख से भी ज़्यादा फ़ैंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत (18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी की जीत का जश्न मनाने के लिए) का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम के बाहर जमा हुए थे। वास्तव में, जब यह हादसा हुआ, उस समय स्टेडियम का गेट नहीं खुला था और बड़ी संख्या में लोग एक छोटे से गेट को धक्का देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे थे कि इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई। बताता जा रहा है कि वहां करीब एक लाख लोगों के आने की उम्मीद थी, लेकिन संख्या दो लाख से भी अधिक के आसपास पहुंच गई और स्टेडियम के इर्द-गिर्द भी काफ़ी लोग जीत का जश्न मनाने के लिए जमा हो गए थे। यह ठीक है कि किसी टीम की जीत पर दर्शकों का उत्साह स्वाभाविक ही होता है लेकिन इतने बड़े आयोजन की तैयारियां बहुत ही माकूल होनी चाहिए, क्यों कि आइपीएल का हमारे देश में एक बड़ा क्रेज है और ऐसे आयोजनों पर काफी भीड़ उमड़ती है। हजारों सुरक्षा कर्मी भी भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाए, और ऐसा तब घटित होता है जब मैनेजमेंट सही नहीं होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह पूरी घटना कहीं न कहीं प्रशासन की लापरवाही और भीड़ प्रबंधन में विफलता को ही दर्शाती है। यदि समय रहते भीड़ को नियंत्रित करने के वैकल्पिक उपाय, जैसे कि पर्याप्त बैरिकेडिंग, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, आपातकालीन निकासी की व्यवस्था इत्यादि पहले से की गई होती तो ऐसी हृदयविदारक घटना को टाला जा सकता था। घटना के संदर्भ में मीडिया के हवाले से यह भी सामने आया है कि आरसीबी ने अपने प्रशंसकों को मुफ्त पास बांटे, जिसकी वजह से अचानक भीड़ इतनी बढ़ गई। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भगदड़ की इस त्रासदी के दर्द ने जीत की खुशी को खत्म कर दिया है। सच तो यह है कि लोग आरसीबी की आईपीएल में जीत के जश्न का गवाह बनने आए थे, लेकिन इस त्रासदी ने अनेक परिवारों को वह दर्द दिया है,जो वो शायद ही कभी भुला पायेंगे। हमारे देश में अब तक भगदड़ की अनेक घटनाएं सामने आ चुकीं हैं, लेकिन दुःख इस बात का है कि हम ऐसी त्रासदियों से सबक नहीं लेते हैं और थोड़ी सी लापरवाही के कारण बहुत बार बड़ी घटनाएं घटित हो जातीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि भगदड़ एक गंभीर खतरा है, जिससे बचने के लिए हमें सतर्क रहने और उचित उपाय करने चाहिए। पाठकों को ज्ञात होगा कि कुछ समय पहले ही उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ में 30-40 लोगों की मौत हो गई थी।वास्तव में,भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। अक्सर भगदड़ मचने के पीछे जो कारण निहित होते हैं उनमें क्रमशः मनोरंजन कार्यक्रम,एस्केलेटर और मूविंग वॉकवे, खाद्य वितरण, जुलूस, प्राकृतिक आपदाएँ, धार्मिक आयोजन, धार्मिक/अन्य आयोजनों के दौरान आग लगने की घटनाएँ, दंगे, खेल आयोजन, मौसम संबंधी घटनाएँ आदि शामिल होते हैं। बैरिकेड्स, अवरोध, अस्थायी पुल, अस्थायी संरचनाएँ और पुल की रेलिंग का गिरना, दुर्गम क्षेत्र (पहाड़ियों की चोटी पर स्थित धार्मिक स्थल जहाँ पहुँचना मुश्किल है), फिसलन युक्त या कीचड़ युक्त मार्ग, संकरी गलियाँ एवं संकरी सीढ़ियाँ, खराब सुरक्षा रेलिंग, कम रोशनी वाली सीढ़ियाँ, बिना खिड़की वाली संरचना, संकीर्ण एवं बहुत कम प्रवेश या निकास स्थान, आपातकालीन निकास का अभाव भी बहुत बार भगदड़ के कारण बन सकते हैं। अप्रभावी भीड़ प्रबंधन तो भगदड़ मचने का कारण है ही। बहुत बार यह देखा जाता है कि किसी एक प्रमुख निकास मार्ग पर ही लोगों की निर्भरता होती है ,जो भगदड़ का कारण बन जाती है। आज अक्सर यह भी देखने को मिलता है कि किसी कार्यक्रम विशेष के लिए क्षमता से अधिक लोगों को अनुमति दे दी जाती है। बहुत से स्थानों पर उचित सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का भी अभाव होता है, जिससे सूचना देने में दिक्कत आती है। भीड़ अनेक बार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार अपनाती है और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन नहीं करती है। बेंगलुरु में आरसीबी के जश्न के दौरान जो भगदड़ मची,उसका कारण स्टेडियम के पास बने एक नाले के अस्थायी स्लैब का टूटना बताया जा रहा है, जिस पर खड़े होकर लोग टीम को देखने की कोशिश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि जब स्लैब अचानक टूटकर गिरा, तो वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी आया है कि बेंगलुरु के मेट्रो स्टेशन पर भी आरसीबी की विक्ट्री परेड देखने जाने वालों की भारी भीड़ जमा थी और वहां सुरक्षा के इंतजाम पर्याप्त नहीं थे। ये तो गनीमत रही की, मेट्रो स्टेशन पर कोई हादसा नहीं हुआ।हालांकि, यह भी सामने आया है कि बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने पहले से ही आरसीबी की विजय परेड को देखते हुए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की थी, लेकिन मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। भीड़ का आंकलन गलत साबित हुआ और क्राउड कंट्रोल पूरी तरह फेल हो गया। अंत में यही कहूंगा कि यदि बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में व उसके बाहर अच्छी चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक मैनेजमेंट होती तो ऐसी घटना को घटित होने से रोका जा सकता था। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए हर सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा हो और उसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। हाल फिलहाल जरूरत इस बात की है कि सभी को मिलकर डैमेज कंट्रोल पर काम करना चाहिए तथा साथ ही साथ हादसे की न्यायिक जांच करवाई जानी चाहिए, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एहतियात बरती जा सके। यह समय एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का समय नहीं है, और इस पर तुच्छ राजनीति करने से राजनीतिक दलों व उनके नेताओं को बाज आना चाहिए। वास्तव में भीड़ प्रबंधन एक विज्ञान है और भीड़ को प्रबंधित करने के लिए आज अनेक तकनीकी उपकरण हैं, जिन्हें काम में लाया जा सकता था। वास्तव में सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भीड़ को प्रबंधित करने के लिए, पूर्व में ही गहन प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए तथा साथ ही साथ भीड़ को प्रबंधित करने के लिए हमारे पास अच्छी योजनाएं भी होनी चाहिए। अंत में यही कहूंगा कि भगदड़ को रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए और लोगों को भगदड़ के दौरान कैसे सुरक्षित रहना है, इसकी जानकारी देनी चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि भगदड़ में सतर्कता और समझदारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। इतना ही नहीं,भविष्य में इस तरह के बड़े व सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तय की जानी चाहिए, और उसका अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वास्तव में, सावधानी, संयम और जागरूकता ही हमें सुरक्षित रख सकती है।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

मा0 मुख्यमंत्री फ्रंटलाइन वर्कर्स को देते हैं महत्व: डीएम

मा0 सीएम के निर्देश श्रृंखला में डीएम का फील्ड वकर्स आशाओं से लगातार चौथा संवाद

अग्रणी पंक्ति की ASHAs, ANMs को प्रेरित रखना जिला प्रशासन का दायित्व:डीएम

किसी जिले में प्रथमबार समस्त आशाओं को 1500 रू0 इंसेटिव, तथा अच्छा कार्य करने वाली आशाओं व आशा फेसिलेटर को 1555 रू0 पुरस्कार पृथक से

नगर निगम देहरादून व ऋषिकेश से भी डीएम ने समस्त आशाओं को वार्डवार लार्वा रिडक्शन हेतु मैचिंगग्रांट 1500 रू0 करवाए अतिरिक्त स्वीकृत

समग्ररूप से जिला प्रशासन की सूझबूझ से जलनित रोग व डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया, हैजा आदि के प्रभावी रोकथाम हेतु फील्ड स्टॉफ को रखा गया है सक्रिय

स्वास्थ्य के अग्रणी अमले संग डीएम संवाद: दिख रहा कारगर आशाओं को सौगात संग अधिकार व जिम्मेदारी भी, डेंगू फिल्ड वॉलिंटियर्स के कार्यों कर रही हैं वेरिफाई

आशाओं के संक्रमित होने पर उनके प्राथमिकता से उपचार की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग की: डीएम

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनपद में उत्कृष्ट योगदान देने वाले फ्रंटलाईन वारियर्स आशा कार्यकर्ताओं, एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी फ्रंटलाईन वर्कस के कार्यों की सरहाना की। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य के अग्रणी अमले अस आशाओं के कार्यों की प्रशसां की करते हुए फील्ड में शत्प्रतिशत योगदान की अपेक्षा की। स्वास्थ्य के अग्रणी अमले संग डीएम संवाद कारगर साबित हो रहा है। डीएम ने आशाओं को सौगात संग अधिकार व जिम्मेदारी भी दी हैं अब आशाएं डेंगू फिल्ड वॉलिंटियर्स के कार्यों को सत्यापित भी कर रही हैं। समग्ररूप से जिला प्रशासन की सूझबूझ से जलनित रोग व डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया, हैजा आदि के प्रभावी सर्वे हेतु फील्ड स्टॉफ को सक्रिय रखा है। नगर निगम, एनएचएम, जिला प्रशासन द्वारा दी जा रही अतिरिक्त धनराशि मिलाकर अब आशाओं को 4500 रू0 सर्वे कार्यों हेतु मिल रहे हैं तथा अच्छा कार्य करने वाली आशाओं को 1555 अलग से जिला प्रशासन की ओर से दिए जा रहे है। इसमें संख्या की काई बाध्यता नही हैं जो आशाएं अच्छा कार्य करेंगी उनको सभी 1555 अतिरिक्त धनराशि जिला प्रशासन की ओर से दी जाएगी।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि आज आशाएं सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, बल्कि पूरे हेल्थ सिस्टम की रीढ़ बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पिंक ड्रेस अब मात्र एक यूनिफॉर्म नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य सिस्टम की पहचान बन गई है। उन्होंने डेंगू नियंत्रण में आशाओं की सक्रिय भूमिका को विशेष रूप से सराहा और कहा कि उनके समर्पण के कारण जनपद में इस वर्ष डेंगू के सबसे कम केस आए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आशाओं को दी गई ?1555 की प्रोत्साहन राशि उनके योगदान की मान्यता है, किसी प्रकार की सहायता नहीं। डीएम ने यह भी कहा कि मा0 मुख्यमंत्री हमेशा फ्रंटलाइन वर्कर्स को महत्व देते हैं। साथ ही हमारे स्टेट गवर्नमेंट सदा फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए प्रतिबद्ध रहती है। स्वास्थ्य विभाग जीवन से जुड़ा विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य कर्मियों को करुणा और सतर्कता के साथ काम करना चाहिए। इसी वजह से अन्य विभागों के तुलना में स्वास्थ्य विभाग को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। जिलाधिकारी के हैं निर्देश पर डेंगू का कोई भी मामला सामने आने पर शॉर्ट नोटिस पर पूरी मशीनरी एक्टिव रहे। देहरादून और ऋषिकेश नगर क्षेत्रों में आशाओं को वार्ड आवंटन, आशाओं को डोर-टू-डोर सर्वे, रैपिड रिस्पांस टीम व वार्डवार वालिटियर्स की तैनाती की गई है। डेंगू, मलेरिया चिकनगुनिया एवं अन्य जल जनित बीमारियों पर प्रभावी अंकुश लगाने को टीमें सजग हैं। आशाओं को एनएचएम से एक हजार, नगर निगम से 1500 के साथ जिलाधिकारी की पहल पर राज्य के किसी जनपद में प्रथमबार जिला प्रशासन की ओर से भी 1500 रुपए की अतिरिक्त इन्सेंटिव धनराशि के साथ ही अच्छा कार्य करने वाली आशाओं एवं आशा फेसिलटर को 1555 अतिरिक्त धनराशि का प्राविधान किया गया हैं। साथ ही जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र ऋषिकेश में कार्य कर रही आशाओं को नगर निगम की ओर से दिए जाने वाली 1500 की धनराशि का एरियर सहित भुगतान के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद ढोंडियाल, एसीएमओ डॉ. निधि, सीओ अनुज कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास विभाग जितेन्द्र कुमार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बद्रीनाथ स्वयं सहायता समूह : ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बदल रहा है ग्रामीण महिलाओं की तस्वीर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बदल रहा है ग्रामीण महिलाओं की आजीविका की तस्वीर, जनपद देहरादून के विकासनगर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सोरना की महिलाएं आज स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत बन रही हैं। बद्रीनाथ स्वयं सहायता समूह की 10 महिलाओं ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदली है।

सक्रिय महिला के रूप में निशा ने डेरी का कार्य कर स्वयं की ही नहीं, बल्कि समूह से जुडी अन्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) से जुडकर महिला समूह आर्थिक रूप से सशक्त बनकर आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर है। सोरना गांव में निशा ने बदरीनाथ स्वयं सहायता समूह से जुडकर अक्टूबर 2023 में डेरी के काम की शुरुआत की। इस समूह में कुल 10 महिलाएं है, जिनमें से कुल 08 महिलाएँ डेरी का काम कर रही है, जिसमें वह पनीर, धी, मक्खन, दही बना कर लोकल दुकानों में सप्लाई करती है। महिलाओ की व्यक्तिगत मासिक आय नही थी। सभी महिलायें पारिवारिक आय पर ही निर्भर थी। कार्य प्रारम्भ करने के पश्चात वित्तीय समस्या एवं उत्पादों की बिक्री करने में अनेक समस्याओं से सामना भी हुआ। लेकिन समूह में सक्रिय सदस्य निशा लगातार अन्य महिलाओं को प्रेरित करती रही। महिलाओं ने समूह से जुडने के बाद बचत कर स्वंय की धनराशि जमा करने पर सक्षम हुई एवं कार्य करने हेतु एनआरएलएम में वित्तीय सहायता प्राप्त की। आज समूह की महिलाओं द्वारा डेरी का कार्य कर प्रति महिला 4 हजार से 12 हजार तक आय अर्जित की जा रही है। जिससे महिलाओ की आय में वृद्धि हुई है और वर्तमान में केवल निशा ही नहीं समूह की अन्य महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनी है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि आजीविका गतिविधियों में लगे इस समूह को जिला प्रशासन ने एनआरएलएम से जोडकर आरएफ, सीसीएल और सीआईएफ का लाभ देकर वित्तीय सहायता की गई, जिससे इनके द्वारा तैयार मिल्क उत्पादों की बिक्री में भी सहायता मिली। समूह में जुडने के पश्चात् समूह की ग्रेडिंग कर रू0 15000/- का रिवाल्विंग फण्ड दिया गया तथा समूह का माइक्रो क्रेडिट प्लान तैयार कर समूह को रू0 75000/- सीआईएफ की धनराशि उपलब्ध करायी गई। NRLM समूह से जुड़ी ये महिलाएं आज न केवल अपने परिवार का सहारा बन रही हैं, बल्कि अच्छी आजीविका अर्जित कर समाज के लिए एक मिसाल भी पेश कर रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरुकता जरूरी : जोशी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । हिम फाउंडेशन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस से हरेला पर्व 15 जुलाई तक प्रदेश भर में वृहद वृक्षारोपण एवं जनजागरुकता अभियान चलाया जाएगा। हिम फाउंडेशन के संस्थापक अजय बहुगुणा ने बताया कि हम चाहते हैं और हमारा प्रयास रहेगा कि वृक्षारोपण अभियान को एक सामूहिक सामाजिक पहल के रूप में प्रस्तुत करना है जिससे अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो। हमारा प्रयास रहेगा कि स्कूल कॉलेजों एवं अन्य सरकारी गैर सरकारी संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली जाए,निबंध प्रतियोगिता चित्रकला भाषण एवं अन्य पर्यावरण संबंधी गोष्ठियों जन जागरूकता अभियान और पौधा महादान अभियान जनकल्याणकारी प्रयास में सहभागी बनकर एक हरित उत्तराखंड के निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की जायेगी। कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने हिम फाउंडेशन की इस मुहिम की सराहना की ।उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेवारी है आज नाले खाले कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो गए मेट्रोपॉलिटिन कल्चर आ गया। विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर वृक्षों के कटान से मौसम में परिवर्तन आया है जिससे मौसम का चक्र बदला है। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व पर सार्वजनिक अवकास की जगह वृहद पौधारोपण हो ।पॉलीथिन पर सख्ती से रोक लगे जिससे पर्यावरण को हानि न हो ।इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाचार्य मांडई ,पौड़ी के प्रदीप बिष्ट वरिष्ठ कांग्रेस नेता भास्कर गैरोला अमित मिश्रा संस्था के सचिव सुनील कुकरेती आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का किया उद्घाटन, वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

रामबन,एंजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ उन्होंने देश के पहले केबल-स्टेड रेल पुल अंजी पुल का भी उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ पीएम मोदी ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

इस मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। बता दें, पीएम मोदी का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम पहली बार जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं। इस वजह से यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इससे पहले उन्होंने चिनाब पुल का निरीक्षण किया और सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की। इसके साथ-साथ उन्होंने कामगारों से भी मुलाकात की। बता दें, आज जम्मू-कश्मीर में विकास और कनेक्टिविटी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। पीएम मोदी आज चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज और देश के पहले केबल-स्टे अंजी ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। पीएम यहां कुल 46 हजार करोड़ की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस ब्रिज के साथ ही कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन को भी पीएम मोदी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक पीएम मोदी तकरीबन 11 बजे तक दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी ऊंचा है। इस ब्रिज को बनाने में करीब 1500 करोड़ की लागत आई है। एक घंटे बाद दोपहर 12 बजे पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर के लिए दो वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। वहीं, रेलवे ने बताया कि उधपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लिंक परियोजना की कुल लंबाई करीब 272 किमी. है और इसको बनाने में 43 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च हुए हैं। इस परियोजना में 36 सुरंगे और 943 पुल भी शामिल हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि चिनाब नदी पर बना 1 किमी. से ज्यादा लंबा रेलवे ब्रिज करीब 359 मी. की ऊंचाई पर है, जो एफिल टॉवर से भी 35 मी. ऊंचा है. उन्होंने बताया कि यह ब्रिज 260 किमी. प्रति घंटे की हवा और भूकंपीय जोन-5 झेल सकता है. इसको बनाने में लगभग 27000 मीट्रिक टन स्टील प्रयोग हुई है. वहीं, इसकी लंबाई 1315 मीटर है. इस परियोजना की शुरुआत अगस्त 2004 में हुई थी.

कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में हाइटेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. अब बात किराए की बात करते हैं. चेयर कार का किराया करीब 715 रुपये रखा गया है. वहीं, एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया तकरीबन 1320 रुपये है. वंदे भारत ट्रेन में एंटी फ्रीजिंग तकनीकि का इस्तेमाल किया गया है. इसके साथ-साथ सब-जीरो कंडीशन में हीटिंग सिस्टम भी मिलेगा. सीटों की बात करें तो ये 360 डिग्री. तक घूमने वाली हैं. हर सीट पर यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट मिलेंगे. इस वंदे भारत ट्रेन में शुद्ध शाकाहारी भोजन के साल लजीज व्यंजन की भी व्यवस्था की गई है.

कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन आम लोगों को लिए शनिवार 7 जून से चलेगी. दिन में यह ट्रेन चार चक्कर लगाएगी. इस ट्रेन का एकमात्र स्टॉपेज बनिहार में बनाया गया है.

बेंगलुरु भगदड़ : केएससीए ने सरकार आयोजकों को जवाबदेह बताया

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव बर्खास्त

बेंगलुरु, एंजेंसी। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ को लेकर कार्रवाइयों का दौर जारी है। कर्नाटक सरकार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव के गोविंदराज को बर्खास्त कर दिया है। वहीं, सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का तबादला किया गया है।

दूसरी ओर, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने मामले से खुद को अलग करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), राज्य सरकार और कार्यक्रम के आयोजकों पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया है।

केएससीए ने एक बयान में कहा कि सम्मान समारोह के आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और न ही वह गेट या भीड़ प्रबंधन में शामिल था।

केएससीए ने कहा, कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया था। यह चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं, बल्कि विधान सौधा में आयोजित किया गया था। स्टेडियम के साथ हमारी भागीदारी केवल किराये और क्रिकेट से संबंधित मामलों तक ही सीमित है। केएससीए ने कहा, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सरकार ने ही समारोह की सुविधा प्रदान की थी। आयोजन को उच्चतम स्तर पर आधिकारिक मंजूरी मिली हुई थी। हमें गेट और भीड़ नियंत्रण में चूक के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, जो स्पष्ट रूप से आरसीबी, आयोजकों और पुलिस के अधिकार क्षेत्र में थे। पुलिस हमें उन गलतियों के लिए पीड़ित नहीं कर सकती, जो स्पष्ट रूप से हमारी नहीं हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट से केएससीए पदाधिकारियों को राहत मिली है। कोर्ट ने किसी भी पदाधिकारी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। बता दें कि केएससीए ने अपने प्रबंधन और अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

कोर्ट ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख तक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, बशर्ते कि वे जांच में सहयोग करें। कर्नाटक सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, के गोविंदराज को सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव के पद से तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है। हालांकि, ये अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि ये कार्रवाई बेंगलुरु भगदड़ मामले में की गई है या किसी अन्य मामले में।

इससे पहले सरकार ने कब्बन पार्क थाने के इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर और ऑफिसर, एसीपी, स्टेडियम प्रभारी और पुलिस कमिश्नर समेत कई अधिकारियों को सस्पेंड किया था।

मामले में आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख निखिल सोसाले को गिरफ्तार किया गया है।

सोसाले ने कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी को अवैध और मनमानी बताया है।

याचिका में उन्होंने कहा, यह साफ है कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी का समय और तरीका बताता है कि यह मुख्यमंत्री के मौखिक निर्देश पर की गई, जिसमें जांच की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। यह गिरफ्तारी दुर्भावनापूर्ण है और जिम्मेदारी जबरन आरसीबी और उसके अधिकारियों पर डालने की कोशिश है।

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 5,364 पहुंची, 24 घंटे में मिले 498 नए मामले

नईदिल्ली,एंजेंसी। कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि जारी है। पिछले 24 घंटे में 498 नए मरीज सामने आए हैं, जिससे भारत में सक्रिय मरीजों की संख्या 5,364 पहुंच गई है। हालांकि, 24 घंटे के मामलों में कमी आई है। एक दिन पहले गुरुवार को 564 मरीज मिले थे। अभी तक 4,724 मरीज ठीक हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में 764 मरीज ठीक हुए हैं। कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 55 पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक मरीज केरल में 192 और गुजरात में 107 मिले हैं। इससे यहां कुल मरीजों की संख्या क्रमश- 1,675 और 615 हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 56 मरीज, दिल्ली में 30, महाराष्ट्र में 22 और कर्नाटक में 15 मरीज मिले हैं। अभी बंगाल में कुल मरीज 596, उत्तर प्रदेश में 205, तमिलनाडु में 221, महाराष्ट्र में 548, कर्नाटक में 451, दिल्ली में 593 और राजस्थान में 107 हैं। मंत्रालय ने पिछले 24 घंटे में देश में 4 मौत दर्ज की हैं। सभी मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित थे, लेकिन उनको अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। कर्नाटक में एक 65 वर्षीय व्यक्ति अनियंत्रित शुगर, हाइपरटेंशन से पीड़ित थे। पंजाब में 69 वर्षीय महिला फेफड़े से जुड़ी बीमारी से पीड़ित थीं।

केरल में 2 मौत हुई हैं, जिसमें एक 74 वर्षीय महिला और 79 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। इन्हें भी शुगर, हाइपरटेंशन, लीवर, पेशाब संबंधी अन्य बीमारियां थीं।

इस बार 38 दिन की होगी अमरनाथ यात्रा, शेड्यूल तय

नईदिल्ली,एंजेंसी। इस साल श्री अमरनाथ यात्रा के लिए विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। 3 जुलाई से 9 अगस्त तक होने वाली यह यात्रा पहली बार 38 दिनों की कम अवधि में आयोजित की जाएगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। पिछली बार यह यात्रा कुल 52 दिनों तक चली थी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर एक ठोस प्लान तैयार किया है। इस बार 581 कंपनियों की केंद्रीय सुरक्षा बालों की तैनाती भी की गई है, जिनमें छ्क्रक्स्न, जम्मू कश्मीर पुलिस और सेना शामिल है। साथ ही पूरे यात्रा मार्ग का सुरक्षा ऑडिट और डिजिटल मैपिंग भी की गई है। ष्ट्क्स्न में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है।

गढ़वाली सिनेमा की नई उड़ान: "द्वी होला जब साथ" फिल्म का अनुभव

इंदिरापुरम, जयपुरिया मॉल में गढ़वाली फिल्म देखने का अवसर

सुनील नेगी

नई दिल्ली। कल मुझे इंदिरापुरम, एनसीआर गाजियाबाद स्थित जयपुरिया मॉल में एक गढ़वाली फिल्म "द्वी होला जब साथ" देखने का मौका मिला। हालांकि शुरू में गढ़वाली फिल्म के शीर्षक ने मुझे आश्वस्त नहीं किया क्योंकि मुझे लगा कि फिल्म शायद बहुत सफल नहीं होगी। लेकिन चूंकि मुझे फिल्म के एक अभिनेता, एक अनुभवी कलाकार विमल उनियाल और मेरे एक करीबी दोस्त ने आमंत्रित किया था, इसलिए मेरे पास न चाहते हुए भी रोहिणी से जयपुरिया मॉल तक की यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

चूंकि इन दिनों क्षेत्रीय उत्तराखंडी फिल्में तेजी से बन रही हैं, खासकर उत्तराखंड सरकार द्वारा क्षेत्रीय फिल्मों पर पचास प्रतिशत सब्सिडी की घोषणा के बाद, फिल्मों की गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है।

लेकिन इसके बावजूद यह जरूर मानना ??होगा कि धीरे-धीरे गढ़वाली कुमाऊंनी फिल्मों में काफी सुधार हुआ है और अच्छी फिल्में भी आ रही हैं, लेकिन दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने की जरूरत है जो वास्तव में नहीं हो रहा है।

थिएटरों में आम तौर पर पचास प्रतिशत से भी कम क्षमता होती है, हालांकि सोशल मीडिया और स्थानीय प्रिंट मीडिया में भी इन फिल्मों को लेकर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, इन सबके बावजूद - कई खूबसूरत, निपुणता और कुशलता से निर्मित फिल्में निश्चित रूप से सामने आ रही हैं - इनमें से कुछ के नाम हैं सेबहेरू गम, बथौन, मेजर निराला, मेरू गांव, असगर, अनुभवी निर्देशक अनुज जोशी द्वारा निर्देशित कई फिल्में और जब द्वी होला साथ, कारा, आदि आदि।

वैसे तो उत्तराखंडी फिल्मों के बारे में कहने को बहुत कुछ है, लेकिन कई कमियों के बावजूद अच्छे निर्देशक, निर्माता और अभिनेता, पटकथा लेखक उत्तराखंड में खूबसूरत और मनमोहक लोकेशन पर अच्छी फिल्में बनाने के लिए आ रहे हैं। अगर हम पिछले पांच-दस सालों में फिल्म निर्माण की दर देखें तो अच्छी संख्या में फिल्में एक साल में ही सिनेमाघरों में देखने के लिए तैयार हो जाती हैं और कभी-कभी तो एक साल से भी कम समय में। हालांकि इससे उत्तराखंडी फिल्मों की स्थिति का अच्छा और उत्साहवर्धक चित्र मिलता है, लेकिन तेजी से फिल्म निर्माण में फिल्मों की गुणवत्ता और निर्माण बुरी तरह प्रभावित होता है, जिससे फिल्मों के सिनेमाघरों में उचित समय तक नहीं चलने की स्थिति में उनकी गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। इसलिए जल्दबाजी में फिल्में बनाने की बजाय अच्छी और गुणवत्तापूर्ण फिल्में बनाने की जरूरत है। गुणवत्ता के लिए समय, सहनशीलता, अच्छे और मनोरम लोकेशन, शानदार पटकथा, बेहतर संवाद अदायगी, बेहतरीन पार्श्व संगीत, मधुर अर्थपूर्ण गीत और सबसे बढ़कर बेहतरीन आवाज और अभिनय प्रतिभा वाली सुंदर और खूबसूरत अभिनेत्रियों की जरूरत होती है, ताकि दर्शकों की गुणवत्तापूर्ण क्षेत्रीय फिल्मों के प्रति इच्छा और भूख पूरी हो सके। कल इंदिरापुरम के जयपुरिया मॉल में गढ़वाली फिल्म "द्वी होला जब साथ" के प्रीमियर पर ऐसा लगा कि फिल्म ने दर्शकों के साथ पूरा न्याय किया है। मेरी राय में यह बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी, संवाद अदायगी, सुंदर लोकेशन और बेहतरीन स्क्रिप्ट के साथ मधुर गीतों और मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत के साथ एक शानदार फिल्म थी। निर्देशन भी बहुत अच्छा था, लेकिन कुछ कमियाँ थीं, लेकिन उन्हें नज़रअंदाज़ किया जा सकता है।

फिल्म के बारे में दिलचस्प बात यह है कि निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक पंजाब के एक पेशेवर कलाकार रवि दीप हैं, जिन्होंने संतोषजनक परिणाम के साथ एक अच्छी फिल्म बनाने के लिए रचनात्मक रूप से सब कुछ बुना है। फिल्म दर्शकों को 2.5 घंटे तक अपनी सीटों से बांधे रखती है और कुछ तो फिल्म के अंत में आंसू भी बहाते हैं। गढ़वाली फिल्म के स्टार कास्ट, जिसे पिक्चर हॉल में आने में लगभग तीन साल लगे, ने अपनी शानदार पटकथा और निर्देशन से एक खास पहचान बनाई है, मनीष डिमरी, कल्याणी गंगोला, अमित भट्ट, अंकिता परिहार, रिया शर्मा, रमेश रावत, विमल उनियाल, सुषमा व्यास, रोशन उपाध्याय, बाल कलाकार आरव बिजलवान हैं। फिल्म का संगीत अमित वी. कपूर और बी. कैश ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी नीलेश बाबू ने की है और संपादन दिव्या दीप महाजन ने किया है। कहानी और फिल्म के गढ़वाली रूपांतरण का श्रेय शोभना रावत को जाता है, जबकि फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर अमित दीक्षित हैं। फिल्म के मुख्य किरदारों नायक, सहायक नायक, नायिका और सहायक नायिका सहित उनके माता-पिता और बाकी कलाकारों ने अपने बेहतरीन अभिनय और संवाद अदायगी से दर्शकों के साथ न्याय किया है। संगीत मंत्रमुग्ध कर देने वाला था और उत्तराखंड के खूबसूरत स्थानों पर गायकों की मधुर आवाज़ भी। फिल्म की मुख्य शूटिंग उत्तराखंड के टिहरी के स्वाखाल में रौतों की घाटी के खूबसूरत स्थानों पर की गई है।

पर्यावरण दिवस पर दिलशाद गार्डन में वृक्षारोपण कार्यक्रम, विधायक वीर सिंह धींगान और पार्षद वीर सिंह पंवार हुए शामिल

पूर्वी दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज दिलशाद गार्डन स्थित सीनियर सिटीजन फोरम के तत्वावधान में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीनियर सिटीजन फोरम दिलशाद गार्डन के अध्यक्ष श्री उनियाल जी ने की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक वीर सिंह धींगान, पार्षद वीर सिंह पंवार, वरिष्ठ समाजसेवी बी एस वर्मा, पूर्व निगम पार्षद सुनील झा, पुनीत पंवार, विनोद पंवार, सिटीज़न फोरम के सभी पदाधिकारी सदस्य गण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना था। सभी अतिथियों ने पौधारोपण किया और नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प दिलाया।

विधायक वीर सिंह धींगान ने कहा - पर्यावरण की रक्षा हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आज हमने पौधारोपण कर न सिर्फ हरियाली को बढ़ावा दिया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाया है। मैं दिलशाद गार्डन के सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें।

निगम पार्षद वीर सिंह पंवार ने कहा -दिल्ली जैसे महानगर में प्रदूषण की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। ऐसे में वृक्षारोपण सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। मैं सीनियर सिटीजन फोरम और अध्यक्ष उनियाल जी को इस प्रयास के लिए बधाई देता हूं। यह पहल दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

सीनियर सिटीजन फोरम अध्यक्ष राधा कृष्ण उनियाल जी ने कहा -आज का कार्यक्रम हमारे लिए सिर्फ पौधा लगाने तक सीमित नहीं है। हम इन पौधों को संरक्षण देने और क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लेते हैं। सभी नागरिकों का इसमें सहयोग जरूरी है।

वरिष्ठ समाजसेवी बी एस वर्मा ने कहा - आज प्रकृति जिस संकट से गुजर रही है, उसमें वृक्षारोपण ही एक कारगर समाधान है। एक पौधा न केवल हमें प्राणवायु देता है, बल्कि प्रकृति के संतुलन को भी बनाए रखता है। मैं सभी से अपील करता हूं कि प्रत्येक नागरिक साल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और नागरिकों ने पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली!

'संकल्प से सिद्धि' अभियान के तहत जनता तक पहुंचाएंगे केंद्र सरकार के 11 साल के कार्य

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क अभियानों की रणनीति से अवगत कराया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र वल्दिया ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला की शुरुआत जिलाध्यक्ष महेश नयाल के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यक्रमों ने पार्टी को जन-जन से जोड़ा है और कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे संकल्प से सिद्धि अभियान समेत सभी निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा से सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के इन आयोजनों से समाज के बीच पार्टी का चिंतन और राष्ट्रवादी विचारधारा पहुंचती है, जो आज के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत और राजनीतिक इतिहास से जोड़ने में सहायक है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता वीरेंद्र वल्दिया ने बताया कि आगामी दिनों में पार्टी द्वारा राष्ट्रीय, प्रदेशिक और मंडल स्तर पर चरणबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 8 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री देशभर के मीडिया माध्यमों से संवाद करेंगे। इसके बाद 9 जून को राज्य स्तर पर संवाद और 10ङ्क11 जून को प्रमुख नगरों में प्रेस वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 12 से 14 जून तक मंडल स्तर पर 'विकसित भारत संकल्प सभा' आयोजित की जाएगी, जहां केंद्र सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और देश के भविष्य की दिशा पर संवाद होगा। 15 से 17 जून तक बूथ स्तर पर चौपाल कार्यक्रम होंगे, जिनमें शहरी क्षेत्रों में मोहल्ला चौपाल और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में आयुष्मान योजना (वय वंदन) के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण और कार्ड वितरण भी किया जाएगा। 17 से 21 जून तक विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान के तहत 5 जून से 15 अगस्त तक 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत सीड बॉल और पौधरोपण की गतिविधियां चलेंगी। इसके अलावा 23 जून को जनसंघ संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। 25 जून को आपातकाल की बरसी पर 'काला दिवस' के रूप में सेमिनार, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान और शैक्षणिक संस्थाओं में आपातकाल पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में पार्टी की जिला और मंडल इकाइयों को सभी कार्यक्रमों की तैयारी के निर्देश दिए गए और कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क अभियान को और सशक्त बनाने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीच पर मस्ती करती दिखीं अवनीत कौर, पर्पल बिकिनी में शेयर किया बोल्ड वीडियो

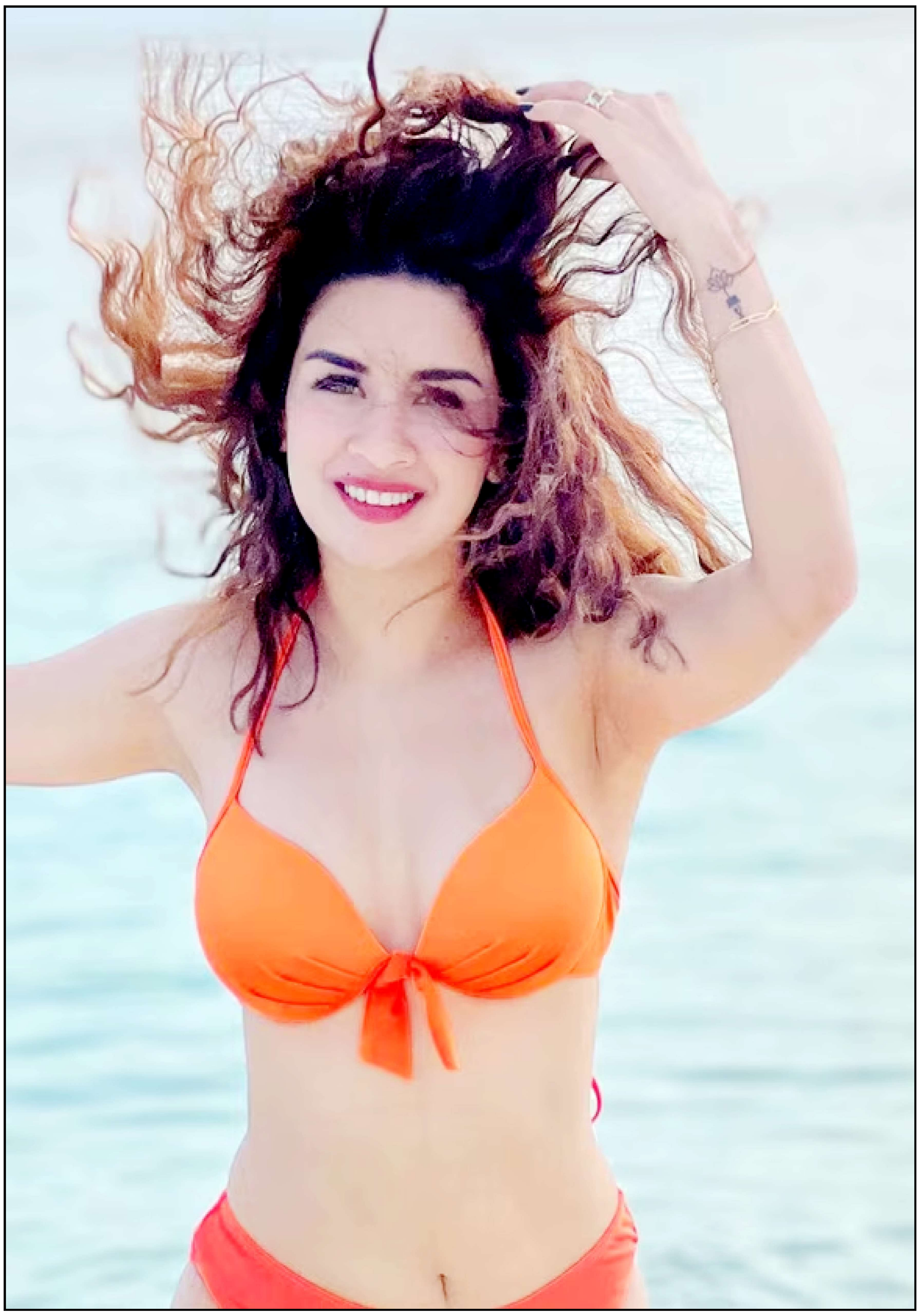

अवनीत कौर एक बार फिर अपने बोल्ड अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर छा गई हैं. एक्ट्रेस और डांसर अवनीत ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है जिसमें वह बीच पर पर्पल बिकिनी और एनिमल प्रिंट स्कर्ट में वॉक करती नजर आ रही हैं. खुले बाल, फिट फिगर और प्यारी स्माइल उनके इस लुक को बेहद दिलकश बना रही है. अवनीत ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, द्धड्डश्चश्च4 श्चद्यड्डष्द्ग और इसके साथ बीच, सूरज और शांति वाले इमोजी शेयर किए हैं. इस पोस्ट पर देखते ही देखते हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. फैंस उनके इस बीच लुक पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं. कोई उन्हें सनशाइन गर्ल कह रहा है तो कोई हॉट एंड फायर लुक बता रहा है.

अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों और वीडियो से फैंस को इंप्रेस करती रहती हैं. उनका हर पोस्ट वायरल हो जाता है और यही वजह है कि इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ रही है.

अवनीत का यह बीच लुक न सिर्फ हॉटनेस से भरपूर है बल्कि उनके कॉन्फिडेंस और स्टाइल स्टेटमेंट को भी बखूबी दर्शाता है. वह जिस तरह से कैमरे के सामने कम्फर्टेबल नजर आती हैं, उससे साफ है कि वह न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं. अब फैंस को उनकी अगली फिल्म और फोटोशूट का बेसब्री से इंतजार है.

निर्जला एकादशी पर लगाई मीठे पानी की छबील

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । ।निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर शहर में अनेक जगह मीठे पानी की छबील लगाई गई। विभिन्न संगठनों की ओर से राहगीरों को प्रेमपूर्वक सेवा भाव से पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा था। छबील का आयोजन पूरा दिन जारी रहा। नेशविला रोड व्यापार मंडल की ओर से मोहन मंदिर में राहगीरों को मीठे पानी की छबील बांटी गई। शरबत वितरण के लिए अनेकों लोग सेवा भाव से अपना योगदान देने के लिए जुटे रहे। इस अवसर पर समाजसेवी लालचंद शर्मा ने कहा कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि सभी एकादशियों में सर्वश्रेष्ठ है। इस एकादशी को निर्जला और भीमसेनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व होता है। एकादशी का व्रत भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-आराधना के लिए समर्पित होता है। एकादशी पर पूरे दिन व्रत रखते हुए भगवान विष्णु का नाम और उनके मंत्रों का जाप करने का विशेष महत्व है। इस अवसर पर पंडित दीपक प्रसाद, सुनील आहूजा, अनूप खरबंदा, निशांत, संतराम मोरिया, दौलत रावत आदि मौजूद रहे। निर्जला एकादशी पर सुभाषनगर स्थित श्री शक्तिश्वर पंचायती मंदिर समिति की ओर से शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहां से गुजरने वाले सभी राहगीरों को शरबत, पीने का पानी दिया जा रहा था।

प्राणमती नदी पर बने ढाढरबगड़ पुल टूटने पर बड़ी कार्यवाही,दो ई.ई सहित एक ए.ई सस्पैंड

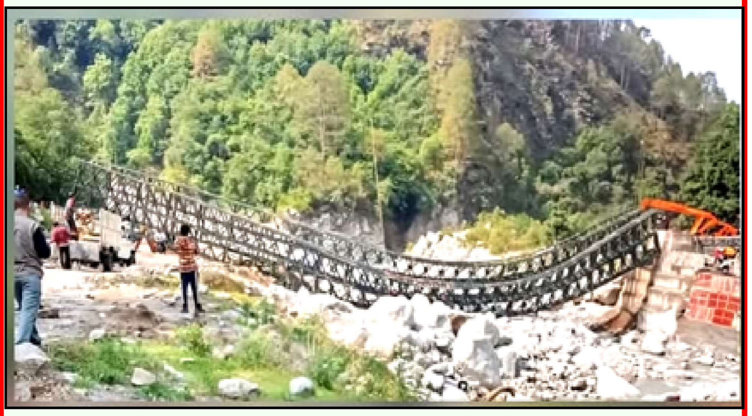

चमोली (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। चमोली के थराली विकासखंड अंतर्गत दुंगी-रतगांव मोटर मार्ग पर प्राणमती नदी पर निर्माणाधीन 60 मीटर स्पान का मॉड्यूलर बैली ब्रिज 4 जून 2025 को अचानक टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया था।इस गंभीर लापरवाही को लेकर उत्तराखंड शासन ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।साथ ही चमोली डीएम के निर्देशों पर ठेकेदार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज पांडे द्वारा जारी आदेश में थराली निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता दिनेश मोहन गुप्ता, प्रांतीय खंड लोनिवि कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता नवीन लाल वर्मा तथा सहायक अभियंता आकाश हुडिया को प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए निलंबित किया गया है। कार्यालय ज्ञाप के अनुसार उक्त पुल निर्माण कार्य में शिथिलता तथा समुचित पर्यवेक्षण न किए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया है। उत्तराखंड सरकारी सेवक (आचरण) नियमावली, 2003 के नियम-4(1) के अंतर्गत तीनों अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार थराली खंड के अधिशासी अभियंता दिनेश मोहन गुप्ता अवकाश पर थे और उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ जा रहा था।इस दौरान खंड का प्रभार प्रांतीय खंड कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता नवीन लाल वर्मा के पास था।वहीं, सहायक अभियंता आकाश हुडिया का कार्य निष्पादन स्तर भी असंतोषजनक पाया गया। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर 4 जून को ही ठेकेदार के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया था तथा संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए थे।इस प्रकरण में शासन की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि निर्माण कार्यों में लापरवाही और गुणवत्ता में समझौता अब किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूपीसीएल मैनेजमेंट की रोटा कोटा की नियमावली पर भड़के जूनियर इंजीनियर

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । यूपीसीएल मैनेजमेंट की ओर से जारी की गई सहायक अभियंता वरिष्ठता सूची को लेकर बवाल दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। पॉवर जूनियर इंजीनियर एसोसिएशन ने नियुक्ति में आने से पहले ही सीधी भर्ती के सहायक अभियंताओं को वरिष्ठता का लाभ देने पर सवाल उठाया। दिन भर ईडी एचआर के ऑफिस का घेराव करके रखा। एसोसिएशन अध्यक्ष रविंद्र सैनी ने कहा कि रोटा कोटा के नियम की गलत व्याख्या कर चयन वर्ष 2008-09 की ज्येष्ठता सूची में वर्ष 2010 के सीधी भर्ती के सहायक अभियंताओं को नियम विरुद्ध शामिल किया गया है।जबकि हाईकोर्ट सीधी भर्ती के सहायक अभियंताओं की नियुक्ति के दिन से रोटा कोटा लागू करते हुए ज्येष्ठता सूची जारी किए जाने के निर्देश दे चुका है। इसके विपरीत जाकर सीधी भर्ती के सहायक अभियंताओं को नियुक्ति से पूर्व विज्ञापन जारी किए जाने से रोटा कोटा लागू करते हुए, उन्हें नियुक्ति से एक वर्ष पूर्व की ज्येष्ठता दी गई है। इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। महासचिव नितिन तिवारी ने कहा कि यूपीसीएल मैनेजमेंट अपनी गलती को छुपाने को गलत तथ्य प्रचारित करवा रहा है। यूपीसीएल की ओर से कहा जा रहा है कि शासन स्तर पर गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट पर ही ज्येष्ठता सूची जारी की गई है। जबकि कमेटी को नियम उपलब्ध करने की जिम्मेदारी निगम प्रबंधन की थी। निगम प्रबंधन ने कमेटी के समक्ष अभियंता सेवा नियमावली के संशोधन प्रस्तुत नहीं किए। यूपी पावर कार्पोरेशन के वर्ष 2012 में जारी जिस आदेश को इस ज्येष्ठता सूची का आधार बताया जा रहा है, उस आदेश का यूपीसीएल से कोई सम्बन्ध नहीं है। हाईकोर्ट में भी सीधी भर्ती के सहायक अभियंताओं ने गलत तथ्य को प्रस्तुत किया था। एसोसिएशन ने तय किया कि वरिष्ठता सूची निरस्त न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। विरोध जताने वालों में राजीव खर्कवाल,मनोज कंडवाल, शीतल सैनी, प्रीति, आलोक चौहान,मनोज रावत, शशिकांत सिंह,राममनोहर, भूपेन्द्र तोपवाल, विकास कुमार,रामकुमार,राजपाल,सुनील उनियाल, अजय कुमार आदि। हाईकोर्ट का भी नहीं माना आदेश पूर्व महासचिव पवन रावत ने कहा कि यूपीसीएल की ओर से दायर की गई क्लैरीफिकेशन एप्लिकेशन में भी हाईकोर्ट ने यही स्पष्ट किया था कि एई की ज्येष्ठता रोटा कोटा के अनुसार नियुक्ति की तिथि से होगी। इसके बावजूद निगम मैनेजमेंट ने हाईकोर्ट के आदेश की मूल भावना को बदलकर नियुक्ति की बजाय विज्ञापन जारी होने की तारीख से ही वरिष्ठता का लाभ दे दिया। ये सीधे तौर पर पदोन्नत जेई के साथ अन्याय है। कोर्ट की अवमानना है। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर दी गई है। आपत्ति दर्ज कराने का भी नहीं दिया समय संरक्षक आनंद सिंह रावत ने कहा कि मैनेजमेंट ने अंतिम वरिष्ठता सूची जारी करने से पहले आपत्ति, सुझाव तक नहीं लिए गए। नियमानुसार पहले अनन्तिम वरिष्ठता सूची जारी कर आपत्ति, सुझाव लेने चाहिए थे। गोपनीयता के नाम पर ऐसा नहीं किया गया। पक्ष रखने तक का मौका नहीं दिया गया।

राज्यपाल ने अल्मोड़ा जनपद के विकास को लेकर अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

दीदी की रसोई वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) शुक्रवार को अल्मोड़ा पहुंचे। अल्मोड़ा के सर्किट हाउस पहुंचने पर जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा तथा मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने यहां जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की तथा जनपद के मुद्दों को लेकर विचार विमर्श किया। इस दौरान राज्यपाल ने जनपद के विकास और समृद्धि को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने पीपीटी के माध्यम से राज्यपाल को जनपद में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया। जिलाधिकारी ने बैठक में बताया कि बीते दिनों जनपद के विकास के लिए कई कदम उठाए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। खनन न्यास से सरकारी स्कूलों में अस्थाई अध्यापकों की तैनाती कर स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने का प्रयास किया गया है। मुंबई की पेस अकादमी के साथ समन्वय बनकर स्कूली बच्चों को निःशुल्क नीट एवं इंजीनियरिंग की कोचिंग कराई जा रही है यहां कोचिंग बच्चों को वर्चुअली उपलब्ध कराई जा रही है। बच्चे इन क्लासों के प्रति बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में नगर अल्मोड़ा में पिंक ई रिक्शा का संचालन किया गया है। सरकारी सहायता से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ई रिक्शा के संचालन से उनको स्वरोजगार से जोड़ा गया है, जिससे इन महिलाओं की आर्थिकी में सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने भी पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नशे के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई व अन्य कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया गया। राज्यपाल ने जिला प्रशासन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस दिशा में लगातार कार्य किए जाएं, लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जाए जिससे उनकी आर्थिकी में लाभकारी बदलाव आए। जनपद में नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा अल्मोड़ा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जाएं।

इसके पश्चात राज्यपाल ने दीदी की रसोई वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दीदी की रसोई के नाम से संचालित यह वाहन चलती फिरती कैंटीन है। इस चलती फिरती कैंटीन का संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करेंगी, जिसमें खाना, स्नैक्स तथा फास्ट फूड उपलब्ध रहेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्राम्य विकास विभाग तथा हिमोत्थान (रीप) परियोजना के माध्यम से इस चलती फिरती दीदी की रसोई का वित्त पोषण किया गया है। इसके माध्यम से नॉन फॉर्मिंग गतिविधियों में महिलाओं की आजीविका बढ़ाने का प्रयास किया गया है। राज्यपाल द्वारा समूह की महिलाओं के प्रयास को सराहा गया। इस प्रयास के लिए उन्होंने जिला प्रशासन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरसी पंत, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी एसके पंत समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

किसान से बड़ा वैज्ञानिक कोई ...

है। किसानों भाई-बहनों की व्यावहारिक समस्याओं को सुनकर समझकर ही आगे के अनुसंधान, नीति, कार्यक्रम और योजना का मार्ग तय होगा।

चौहान ने कहा कि उत्तराखंड के जिन भी किसानों से मैंने मुलाकात कि उन्होंने मुझे जानवरों से खेती को बचाने के लिए घेराबाड़ी/तारबाड़ (खेत की सीमाओं को घेरना) की मांग की। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत इसके लिए उत्तराखंड को प्राथमिकता दी जाएगी। यह खेती को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ों में चमत्कार है। यहां की फल और सब्जियों की उपज दूसरे किसी भी क्षेत्र की तुलना में शानदार है। यहां के सेब अब कश्मीर को प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं, जो यहां कि बागवानी क्षेत्र की उन्नति को दर्शाता है। चौहान ने उत्तराखंड के फल 'काफल' की भी बात की। उन्होंने कहा कि औषधीय गुणों के कारण 'काफल' की दुनिया में भी मांग बढ़ रही है। मोटे अनाज के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि यहाँ का मोटा अनाज भी अद्भुत है। यहां का पारंपरिक अनाज 'मंडुवा' भी अब सब जगह अपनी प्रसिद्धि स्थापित कर रहा है। 'मंडुवा' के साथ-साथ ऐसे ही अन्य उपयोगी पारंपरिक अनाजों के उत्पादन बढ़ाने के लिए हमें प्रयास करना होगा, उत्तम किस्म के बीज बनाने होंगे और साथ ही साथ मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज और बाकि फसलों को संरक्षित करके इनके उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम करना होगा। ऐसा करके हम अपने उत्पादों की विश्व स्तरीय पहुंच सुनिश्चित कर सकते हैं। कई स्थानों पर जैविक तरीके से इनका उत्पादन किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य के लिहाज से और भी अधिक लाभदायक है। इसकी महत्ता को देखते हुए हमें इस ओर ठोस प्रयासों के साथ आगे बढ़ना होगा।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और उत्तराखंड की सरकार के सहयोग से मिलकर उत्तराखंड की कृषि में उन्नति के लिए रोडमैप तैयार करेंगे। उत्तराखंड दुनिया में फलों का हब बने, इसके लिए गंभीरता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के संतुलित प्रयोग से कृषि की लागत कम की जा सकती है। वैज्ञानिक सलाह के साथ जितनी आवश्यकता हो उतना ही कीटनाशक इस्तेमाल होना चाहिए।

अंत में कृषि मंत्री ने सभी किसान भाई-बहनों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड का इस्तेमाल करने और मिट्टी की जरुरत के अनुसार ही उर्वरकों के इस्तेमाल का आह्वान किया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि वह 14 तारीख को एक बार फिर से कृषि मेले के अंतर्गत उत्तराखंड आएंगे और किसानों से मुलाकात करेंगे।

इस अवसर पर गणेश जोशी, कृषि मंत्री, उत्तराखंड सरकार, डॉ सुरेंद्र नारायण पांडेय, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण, उत्तराखंड सरकार, रणवीर सिंह चौहान, महानिदेशक, कृषि एवं बागवानी, उत्तराखंड सरकार, डॉ मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, डॉ त्रिवेणी दत्त निदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली, उ0प्र के अलावा कई वैज्ञानिक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

संकट में डायल 112 मिलाया, पुलिस टीम के क्विक रिस्पॉस से मुसीबत से छुटकारा पाया

मध्य रात्रि घनघोर जंगल मुसीबत में फसे परिवार के लिये संकटमोचक बनी थाना सल्ट डायल 112 टीम

कार का टायर फटने से घनघोर जंगल में फसे परिवार को डायल 112 टीम ने 16 किमी0 दूर घर तक सुरक्षित पहुंचाया

देहरादून (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। कल रात्रि कॉलर विनोद द्वारा डायल 112 में रात्रि 11:30 सूचना दी कि वह परिवार सहित देहरादून से अपने गांव चकरोटी देघाट जा रहे थे,नैल से आगे जंगल में उनकी गाड़ी का टायर फट गया है उनके साथ महिला वह बच्चे भी हैं 6 और इस्टेमिनी भी पंचर है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष सल्ट श्री प्रमोद पाठक के नेतृत्व में डायल 112 टीम हेड कांस्टेबल सुरेश चंद कानि0 हेमंत मनराल, कानि0 रविंद्र कंबोज मौके पर पहुंचे और घनघोर जंगल में फसे परिवार को डायल 112 वाहन में बिठाकर सुरक्षित 16 किमी0 दूर उनके घर चकरोटी तक सकुशल पहुंचाया। संकट के समय पुलिस टीम से मिली मदद से पूरा परिवार खुश था और सहायता के लिये धन्यवाद कहा।

चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 80 से अधिक श्रद्धालुओं की हो चुकी मौत

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । देवभूमि उत्तराखण्ड में चारधाम हिन्दूओं के प्रमुख धार्मिक आस्था के केन्द्र है। हर साल लाखों श्रद्धालु उत्तराखंड में स्थित चार धाम की यात्रा पर आते है। इस वर्ष भी यात्रा शुरू है. चारधाम की यात्रा को शुरू हुए एक महीने से अधिक का समय हो गया है। इस दौरान लोगों की सुविधा के लिए प्रशासन मुस्तैदी से काम कर रहा है। किन्तु हर वर्ष की तरह चारधाम यात्रा के दौरान लोगों की जान जाने का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। इस वर्ष अभी तक 80 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। बीते गुरुवार को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम की यात्रा पर आए दो श्रद्धालु की ह्रदय गति रुकने से मौत हो गई। एक मृतक तमिलनाडु और दूसरा मृतक मध्य प्रदेश का रहने वाला था. दोनों धाम में अब तक 12 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है. लेकिन ऐसा क्या हो रहा कि लोगों की मौत हो रही है। बता दें कि हर साल मई में चारधाम की यात्रा शुरू होती है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की मौत का मामला हर साल सामने आता है। किन्तु इस बार यह आंकड़ा डरा देने वाला प्रतीत हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल अब तक 80 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अधिकांश मौत ऑक्सीजन की कमी, हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ होने के कारण हुई है। यहां गौर करने लायक यह है कि चारधाम के चारों मंदिर समुद्र तल से 3 हजार से साढ़े तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर है। पहाड़ों पर जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती है। हवा में ऑक्सीजन का लेवल कम होता जाता है। वैसे समुद्र तल पर हवा में ऑक्सीजन की मात्रा 21 फीसदी होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट- समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

उत्तराखंड को हार्टिकल्चर का हब बनाएंगे : केंद्रीय कृषि मंत्री

किसान चौपाल में किसानों से संवाद कर समस्याएं सुनीं, दिए समाधान के सुझाव

देहरादून जनपद के डोईवाला ब्लॉक के पाववाला सौड़ा गांव में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत लगी किसान चौपाल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की भूमि को खेती-किसानी की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को देहरादून के डोईवाला ब्लॉक अंतर्गत पाववाला सौड़ा गांव में आयोजित किसान चौपाल में भाग लिया। खेतों के मध्य खाट पर बैठकर उन्होंने किसानों से आत्मीय संवाद किया और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझा। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कृषि मंत्री गणेश जोशी सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। चौपाल में किसानों ने बीज, सिंचाई, विपणन, फसल बीमा योजना और कृषि उत्पादों के उचित मूल्य से जुड़ी अपनी बातें रखीं। लीची, बासमती चावल, कटहल और सब्जी उत्पादकों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं और समाधान हेतु सुझाव दिए।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार किसानों की आय को दोगुना करने और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मैं स्वयं किसान परिवार से हूं, किसान का दर्द जानता हूं। इसी कारण आज सीधे खेत में आकर खाट पर बैठा हूं, ताकि यह जान सकूं कि सरकार की योजनाओं का लाभ जमीन तक पहुंच रहा है या नहीं। किसानों से सीधा संवाद ही उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करता है।卐 केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की बताई समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को हार्टिकल्चर (बागवानी) का राष्ट्रीय हब बनाएंगी। उत्तराखंड के फल, अनाज और सब्जियों की गुणवत्ता अद्वितीय है और उनमें वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है।

मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा पवित्र देवभूमि में आकर मन, बुद्धि और आत्मा एक नई ऊर्जा से भर जाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। भारत सरकार उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि यहां के किसानों को न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिले, बल्कि उनके उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार भी उपलब्ध हो। श्री चौहान ने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती, तकनीकी नवाचार और जल संरक्षण पर विशेष बल देकर खेती को भविष्य में और अधिक लाभकारी बनाया जाएगा।

आगामी कार्यक्रम

किसान चौपाल के बाद केंद्रीय मंत्री शुक्रवार दोपहर मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेंगे। तत्पश्चात, दोपहर 3 बजे गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, नींबूवाला में %विकसित कृषि संकल्प अभियान% के तहत एक और किसान संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

राइका मरोड़ा का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ समर कैंप

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। राजकीय इंटर कॉलेज मरोड़ा सकलाना में दस दिवसीय भारतीय भाषाई समर कैंप का समापन रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हो गया हैं। पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी, एसएमसी अध्यक्ष पुष्पा देवी, मदन मोहन सेमवाल, वन दरोगा प्यारचंद रमोला, हीरासिंह पंवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में विद्यालय से मरोड़ा बाजार में नारो के गूज के साथ समर कैंप के छात्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों व वन विभाग के कर्मचारियों ने विशाल जन जागरूकता रैली निकालकर जन जन से पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक पौधारोप करने तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने की अपील की। विद्यालय परिसर में मेरा पड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत माँ के नाम एक पेड़ का रोपड़ भी किया गया।

पर्यावरणविद् डॉ सोनी ने कहा समर कैंप सरकार की बहुत ही अच्छी योजना हैं ग्रीष्मावकाश में बच्चे इधर उधर चले जाते थे समर कैंप ने बच्चों को विद्यालय से जोड़ा रखा और भारतीय भाषाई, स्थानीय भाषा बोली सिखाई गई तथा बच्चों ने इन 10 दिनों में बहुत कुछ सीखा समय समय पर सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए। एसएमसी अध्यक्ष पुष्पा देवी ने समर कैंप में प्रतिभाग छात्रों, शिक्षको की सराहना करते हुए कहा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों के जीवन में सीखने के साथ बहुत बदलाव लाते है। समर कैंप के प्रशिक्षक शिक्षक बीआर शर्मा, डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी, नवीन भारती, राजेंद्र सिंह रावत, तेजी महर, अंजना गैरोला थे जिन्होंने छात्रों को विभिन्न भाषाई विधाओं का ज्ञान कराया। समर कैंप में बैलून दौड़ पंकज, कुर्सी दौड़ लक्की, निशा, आतिशा, चम्मज दौड़ संगीता, अंशिका, कल्पना, राजेश्वरी, अंशिका, निबंध काजल, नृत्य संगीता, स्वाती, आदित्य, दिव्यांशु, मुस्कान, लोकगीत राधिका, आख्या पंकज, संगीता, सोनिका, श्रुति, निशा, आरुषी, अनुशिका, साक्षी, स्वाती, संगीता, भोजन सोनिका, संगीता, अंजली, संतोषी, दीक्षा, कल्पना, दिमागी गेम संगीता आदि प्रतिभागी छात्रों को पैन, कापी व जोमेट्री बाक्स देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनोज सकलानी, रामस्वरूप उनियाल, स्वाती, काजल, सोहन, मनीषा, अंजली, पंकज, मोहित, वीरचंद कुमाई, संदीप सिंह, जोतसिंह कंडारी, वीरचंद, हिम्माद सिंह कार्यक्रम का संचालन नवीन भारती ने किया।

पटेलनगर क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनौती की घटना का दून पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । पटेलनगर क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनौती की घटना का दून पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में छीना गया मोबाइल बरामद किया गया है। घटना में प्रयुक्त स्कूटी को सीज किया गया है।

वादिनी रिचा पुत्री गोविन्द सिंह निवासी संजय कॉलोनी पटेलनगर देहरादून द्वारा कोतवाली पटेलनगर देहरादून पर तहरीर दी गयी कि 02 अज्ञात स्कूटी सवार अभियुक्त उनका मोबाइल फोन ओपो कम्पनी संजय कॉलोनी के पास से छीन कर भाग गये। तहरीर के आधार पर कोतवाली पटेलनगर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-267/2025 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। घटना के अनावरण तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को चौक किया गया। फुटेजों से प्राप्त संदिग्धों के हुलिये के सम्बन्ध में सुरागरसी पतारसी पतारसी करते हुए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। साथ ही पूर्व में इस प्रकार के प्रकरण में प्रकाश में आये तथा जेल गये अभियुक्तों की वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों के परिणाम स्वरूप 5 जून को चौकिंग के दौरान मखबिर की सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले 02 अभियुक्तों 01-विवेक पुत्र हंसराज तथा 02-रजत कश्यप पुत्र रामशरण को घटना में प्रयुक्त स्कूटी संख्या यू0के0-07-बीजेड-9664 के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तो के कब्जे से वादिनी से छीना गया मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे दोनो नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उनके द्वारा उक्त छिनौती की घटना को अंजाम दिया गया था। अभियुक्त उक्त मोबाइल को बेचने की फिराक में थे किन्तु दून पुलिस की सख्ती के चलते किसी भी व्यक्ति द्वारा उनसे बिना कागजातों के उक्त मोबाइल फोन को नहीं खरीदा गया। अभियुक्त पुन: उक्त मोबाइल फोन को बेचने की फिराक में थे, इससे पूर्व ही पुलिस टीम द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। माल बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2)/3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक
दैनिक इंडिया वार्ता
कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।
दूरभाष: 7500581414,9359555222